1

आगे बढ़े चलें

प्रस्तुत कविता में महाकवि रामनरेश त्रिपाठी ने बालकों को निरंतर संघर्ष करके आगे बढ़ने की सीख दी है। उनका कहना है कि निरंतर प्रयास करने, संघर्ष करने, कठिन परिश्रम करने तथा अपने सद्‌गुणों से ही बालक अपने लक्ष्य तक पहुँच सकता है।

यदि रक्त बूँद भर भी होगा कहीं बदन में।
नस एक भी फड़कती होगी समस्त तन में।
यदि एक भी रहेगी बाकी तरंग मन में।
हर एक साँस पर हम आगे बढ़े चलेंगे।
वह लक्ष्य सामने है पीछे नहीं टलेंगे।।

मंज़िल बहुत बड़ी है पर शाम ढल रही है।
सरिता मुसीबतों की आग उबल रही है।
तूफ़ान उठ रहा है, प्रलयाग्नि जल रही है।
हम प्राण होम देंगे, हँसते हुए जलेंगे।
पीछे नहीं टलेंगे, आगे बढ़े चलेंगे।।

अचरज नहीं कि साथी भग जाएँ छोड़ भय में।
घबराएँ क्यों, खड़े हैं भगवान जो हृदय में।
धुन ध्यान में धँसी है, विश्वास है विजय में।
बस और चाहिए क्या, दम एकदम न लेंगे।
जब तक पहुँच न लेंगे, आगे बढ़े चलेंगे।।

—रामनरेश त्रिपाठी

शिक्षा अपने लक्ष्य की प्राप्ति के लिए निरंतर संघर्ष करना चाहिए।

शब्द-पोटली

रक्त – लहू, खून, रुधिर। समस्त – कुल, सभी। तरंग – मौज़, उमंग। लक्ष्य – उद्‌देश्य। प्रलयाग्नि – विनाशकारी आग। अचरज – आश्चर्य, अनोखा। भय – डर, खौफ़। धुन – लगन। विश्वास – यकीन, भरोसा। विजय – जीत। दम – साँस, प्राण।

अभ्यास

संकलित मूल्यांकन

पाठ बोध

(क) सही विकल्प पर ✓ लगाइए:

1. कवि शरीर में रक्त की एक भी बूँद होने तक क्या करने को कह रहा है?
   आगे बढ़ने की ☐ पीछे हटने की ☐ सोते रहने की ☐ रोते रहने की ☐
2. मंज़िल बहुत बड़ी है लेकिन–
   दिन निकल रहा है। ☐ शाम ढल रही है। ☐ रात ढल रही है। ☐ दोपहर हो गई है। ☐
3. आग कौन उगल रही है?
   भट्टी ☐ सरिता ☐ मुसीबतों की सरिता ☐ ये सभी ☐
4. हृदय में कौन खड़ा है?
   आत्मा ☐ रक्त ☐ फेफड़े ☐ भगवान ☐
5. लेखक को किसमें विश्वास है?
   हार में ☐ विजय में ☐ पराजय में ☐ धोखे में ☐
6. 'दम' का अर्थ है–
   साँस ☐ दाम ☐ रुपया ☐ दान ☐

(ख) कविता की निम्नलिखित पंक्तियों का सप्रसंग भावार्थ लिखिए:

1. तूफ़ान उठ रहा है, प्रलयाग्नि जल रही है।
   हम प्राण होम देंगे, हँसते हुए जलेंगे।
   पीछे नहीं टलेंगे, आगे बढ़े चलेंगे।

   ____
   ____
   ____

2. नस एक भी फड़कती होगी समस्त तन में।
   यदि एक भी रहेगी बाकी तरंग मन में।
   हर एक साँस पर हम आगे बढ़े चलेंगे।

   ____
   ____
   ____

(ग) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

1. कवि के अनुसार कौन लोग आगे बढ़ते जाएँगे?
2. हँसते हुए प्राण होम करने को कौन तैयार है?
3. अपनी मंज़िल पर पहुँचने से पहले कौन नहीं घबराता है?
4. "मंजिल बहुत बड़ी है पर शाम ढल रही है।" से कवि का क्या आशय है?
5. किन लोगों की विजय निश्चित है?

भाषा बोध

(घ) निम्नलिखित शब्दों के समानार्थी लिखिए:

1. रक्त – _____
2. समस्त – _____
3. तरंग – _____
4. लक्ष्य – _____
5. अचरज – _____
6. भय – _____
7. धुन – _____
8. विजय – _____
9. दम – _____
10. विश्वास – _____

(ङ) निम्नलिखित के विलोम शब्द लिखिए:

1. एक × _____
2. आगे × _____
3. बड़ी × _____
4. शाम × _____
5. आग × _____
6. हँसना × _____
7. विश्वास × _____
8. विजय × _____

रचनात्मक मूल्यांकन

मौखिक अभ्यास

- निम्नलिखित शब्दों का शुद्ध उच्चारण कीजिए तथा लिखिए:

बूँद	तरंग	साँस	प्रलयाग्नि	विश्वास
_____	_____	_____	_____	_____

कविता पाठ

- प्रस्तुत कविता को कंठस्थ करके कक्षा में सुनाइए।

मूल्यपरक प्रश्न (VBQ)

- क्या आप अपने लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए कठिन परिश्रम करते हैं?